# UP Board Important Questions Class 11 भारत भौतिक पर्यावरण Chapter 5 प्राकृतिक वनस्पति Bharat Bhautik Paryavaran

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1 चंदन वन किस तरह के वनों के उदाहरण हैं ?**

**उत्तर:** पर्णपाती या मानसूनी वनों के उदाहरण है ।

**प्रश्न 2 सिमलिपाल जीवमंडल निचय किस राज्य में है ?**

**उत्तर:** उड़ीसा राज्य में ।

**प्रश्न 3 नंदा देवी जीव मंडल निचय किस राज्य में स्थित है ?**

**उत्तर:** उत्तराखंड में ।

**प्रश्न 4 एक आदर्श स्थिति में कुल भूमि के कितने प्रतिशत क्षेत्र पर वन होने चाहिये ?**

**उत्तर:** लगभग 33 प्रतिशत भाग पर |

**प्रश्न 5 उन राज्यों के नाम बताइए जिनके दो-तिहाई भौगोलिक क्षेत्र वन से ढके हैं ?**

**उत्तर:** अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम एवं नागालैंड |

**प्रश्न 6 उत्तर भारत के उन राज्यों के नाम बताइए जिनके भौगोलिक क्षेत्र के 10 प्रतिशत से कम भाग कर वन हैं ?**

**उत्तर:** हरियाण, जम्मू-कश्मीर, पंजाब एवं राजस्थान ।

**प्रश्न 7 दो राष्ट्रीय उद्यानों के नाम बताइए जिनमें गैंड़ा प्रमुख संरक्षित वन्य जीव हैं ?**

**उत्तर:** काजीरंगा और मानस ।

**प्रश्न 8 मणिपुर में कौन से मृग के संरक्षण की परियोजना चल रही है ?**

**उत्तर:** थामिन मृग ।

**प्रश्न 9 भारत की वन नीति कब बनाई गई ?**

**उत्तर:** सन् 1952 ई. में परन्तु इसे संशोधित किया गया 1988 ई. में |

**प्रश्न 10 भारत में इस समय कितने जैव मंडलीय सुरक्षित क्षेत्र है ?**

**उत्तर:** 14 जैव मंडलीय सुरक्षित क्षेत्र ।

**प्रश्न 11 भारत के उन जीव मंडल निचय के नाम बताओ जो यूनेस्को के जीव मंडल निचय विश्व नेटवर्क पर मान्यता प्राप्त हैं ?**

**उत्तर:** भारत के 14 जीव मंडल निचय हैं, जिनमें से 4 जीव मंडल निचय (1) नीलगिरी

(2) नंदादेवी (3) सुंदर वन (4) मन्नार की खाड़ी यूनेस्को द्वारा जीव मंडल निचय विश्व नेटवर्क पर मान्यता प्राप्त हैं ।

**प्रश्न 12 प्रोजेक्ट टाईगर तथा प्रोजेक्ट एलिफेंट क्यों आरंभ किए गए थे?**

**उत्तर:** प्रोजेक्ट टाईगर (1973 ई.) तथा प्रोजेक्ट एलिफेंट (1992 ई.) में इन प्रजातियों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवास को बचाने के लिए आरंभ किए गए थे। इनका मुख्य उद्देश्य भारत में बाघों व हाथियों की जनसंख्या के स्तर को बनाए रखना है ।

## लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1 प्राकृतिक वनस्पति किसे कहते है ? उष्ण कटिबंधीय सदाहरित वन किस प्रकार की जलवायविक दशाओं में पाये जाते हैं ?**

**उत्तर:** प्राकृतिक वनस्पति में वे पौधे सम्मिलित किए जाते हैं जो मानव की प्रत्यक्ष या परोक्ष सहायता के बिना उगते हैं और जो अपने आकर, संरचना तथा अपनी आवश्यकताओं को प्राकृतिक पर्यावरण के अनुसार ढाल लेते हैं । उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन आर्द्र तथा उष्ण भागों में मिलते हैं। इन क्षेत्रों में औसत वार्षिक वर्षा 200 सेमी से अधिक और सापेक्ष आर्द्रता 70 प्रतिशत से अधिक होती है औसत तापमान 24 डिग्री से. होता है । ये वन भारत में पश्चिमी घाट, उत्तर पूर्वी पहाड़ियों एवं अंडमान व निकोबार में पाये जाते हैं ।

**प्रश्न 2 सामाजिक वानिकी से आपका क्या अभिप्राय है?**

**उत्तर:** सामाजिक वनिकी : सामाजिक वानिकी का अर्थ है पर्यावरणीय, सामाजिक व ग्रामीण विकास में सहायता के उद्देश्य से वनों का प्रबंध और सुरक्षा तथा ऊसर भूमि पर वनरोपण करना । राष्ट्रीय कृषि आयोग (1976-79) ने सामाजिक वानिकी को तीन वर्गों में बाँटा है –

(क) शहरी वानिकी

(ख) ग्रामीण वानिकी

(ग) फार्म वानिकी

- किसानों को अपनी भूमि पर वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित करना ।
- राज्यों के वन विभागों द्वारा लोंगो की जरुरतों को पूरा करने के लिए सड़कों के किनारे, नहर के दोनों ओर एवं सार्वजनिक भूमि पर वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना ।

https://www.evidyarthi.in/

**प्रश्न 3 जीवन मंडल निचय को पारिभाषित कीजिए ?**

**उत्तर:** जीवमंडल निचय (आरक्षित क्षेत्र) विशेष प्रकार के भौमिक और तटीय पारिस्थितिक तंत्र है, जिन्हें यूनेस्को ने मानव और जीवमंडल कार्यक्रम के अन्तर्गत मान्यता प्रदान की है | जीव मंडल निचय के तीन मुख्य उद्देश्य है :

(क) संरक्षण

(ख) विकास

(ग) व्यवस्था

इसमें क्षेत्र को प्राकृतिक अवस्था में रखा जाता है । सभी प्रकार की वनस्पति और वन जीवों का संरक्षण किया जाता है । उदाहरणतया नंदा देवी, नीलगिरी, सुन्दर वन आदि ।

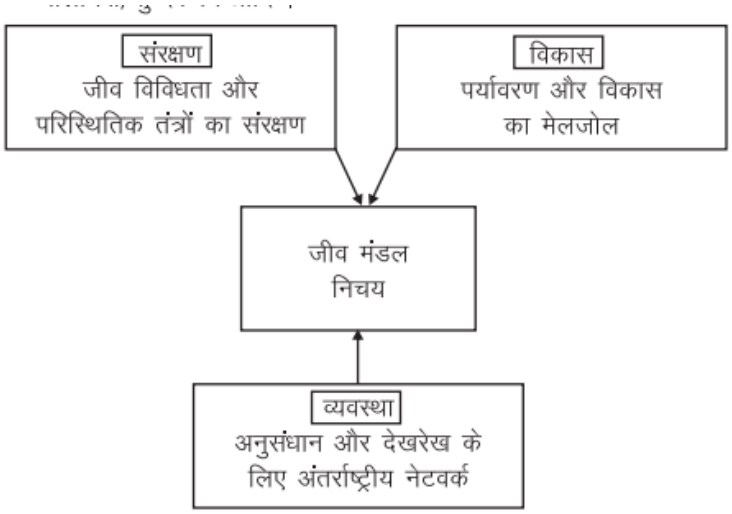


**प्रश्न 4 उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वनों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें?**

**उत्तर:** उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन :- ये वे वन हैं जो 100 से 200 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं । इन वनों का विस्तार गंगा की मध्य एवं निचली घाटी अर्थात भाबर एवं तराई प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ का उत्तरी भाग, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु तथा केरल के कुछ भागों में मिलते है । प्रमुख पेड़ साल, सागवान, शीशम, चंदन, आम आदि है । ये पेड़ ग्रीष्म ऋतु में अपने पत्ते गिरा देते हैं । इसलिए इन्हें पतझड़ वन भी कहा जाता है । उनकी ऊँचाई 30 से 45 मीटर तक होती है । ये इमारती लकड़ी प्रदान करते हैं । जिससे इनका आर्थिक महत्व अधिक है । ये वन हमारे कुल वन के क्षेत्र के 25 प्रतिशत क्षेत्र में फैले हुए हैं ।

**प्रश्न 5 राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्य में अंतर स्पष्ट करें ?**

**उत्तर:**

**राष्ट्रीय उद्यान :-** सुरक्षा की दृष्टि से राष्ट्रीय उद्यानों को उच्च स्तर प्रदान किया जाता है । इसकी सीमा में पशुचारण की मनाही है । साथ ही इसकी सीमा में किसी भी व्यक्ति को भूमि अधिकार नहीं मिलता।

**अभ्यारण्य :-** इसमें कम सुरक्षा का प्रावधान है । इसमें वन जीवों की सुरक्षा के साथ-साथ नियंत्रित मानवीय गातिविधियों की अनुमति होती है । इसमें किसी अच्छे कार्य के लिए भूमि का उपयोग हो सकता है ।

**प्रश्न 6 सदाहरित वन एवं पर्णपाती वनों के प्रमुख वृक्षों तथा उनके वितरण क्षेत्रों के बारे में संक्षेप में लिखें?**

**उत्तर:** सदाहरित वन :- यह वनस्पति 200 सेमी से अधिक वर्षा वाले प्रदेशों जैसे सहयाद्रि के पवनाभिमुख ढालों, असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और अंडमान निकोबार द्वीप समूह में पायी जाती है । मुख्य वृक्ष :- महोगनी, बांस, ताड़, आदि है ।

- ये सदा हरे भरे होते हैं ।
- ये बहुत सघन होते हैं ।
- इनकी ऊँचाई 35 मीटर से 50 मीटर तक हो सकती है।
- इन वृक्षों की लकड़ी काफी कठोर होती है ।

**पर्णपाती वन :-** यह वन 100 से 200 सेमी. वर्षा वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं। ये सहयाद्रि के पूर्वी ढाल, प्रायद्वीप के उत्तर-पूर्वी पठार, हिमालय की तलहटी के भाबर और तराई क्षेत्रों तथा उत्तर-पूर्वी भारत में पाये जाते हैं।

- ये वन ग्रीष्म ऋतु में अपने पत्ते गिरा देते हैं ।
- ये कम घने होते हैं ।
- वृक्षों की ऊँचाई अपेक्षाकृत कम होती है ।
- इन वनों की लकड़ी कम कठोर होती है ।
- ये वन लगभग पूरे भारत में पाये जाते है ।

**प्रश्न 7 अनूप वन किसे कहते हैं ? भारत में आर्द्र या अनूप वनों के महत्व को स्पष्ट करें?**

**उत्तर:** भारत के उन क्षेत्रों में जहाँ जमीन हमेशा जलयुक्त अथवा आर्द्र होती है वहाँ की प्राकृतिक वनस्पति को वेलांचली या अनूप वन कहते हैं । भारत में इस तरह की आठ आर्द्र भूमियाँ है जो अपने सघन वनों एवं जैव विविधता के लिए विख्यात हैं । भारत में प0 बंगाल का सुंदर वन डेल्टा अपने मैंग्रोव वनों के लिए विश्व विख्यात है । इन वनों में टाइगर से लेकर सरीसृप तक बड़े-छोटे जानवर पाये जाते हैं । पर्यावरण संरक्षण, जैवविविधता एवं प्राकृतिक वनस्पतियों के संरक्षण के लिये इन वनों के अस्तित्व की सुरक्षा की आवश्यकता है ।

**प्रश्न 8 वन क्षेत्र एवं वास्तविक वन आवरण में क्या अंतर है?**

**उत्तर:**

**वन क्षेत्र :-** ये वे क्षेत्र हैं जहां राजस्व विभाग के अनुसार वन होने चाहिये । इसके अन्तर्गत एक निश्चित क्षेत्र को वन क्षेत्र के रुप में अधिसूचित किया जाता है ।

**वास्तविक वन आवरण :-** इसके अन्तर्गत वह क्षेत्र आता है जो वास्तव में प्राकृतिक वनस्पतियों के झुरमुट से ढका होता है । भारत में सन् 2001 में वास्तविक वन आवरण केवल 20.55 प्रतिशत था ।

**प्रश्न 9 वन्य प्राणी अधिनियम कब पास हुआ ? इस अधिनियम के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं ?**

**उत्तर:** भारत में वन्य प्राणी अधिनियम 1972 ई. में पास हुआ । इस अधिनियम के दो प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं

https://www.evidyarthi.in/

(1) इस अधिनियम के अनुसार कुछ सूचीबद्ध संकटापन्न प्रजातियों को सुरक्षा प्रदान करना ।

(2) सरकार द्वारा निर्धारित नेशनल पार्कों, पशुविहारों जैसे संरक्षित क्षेत्रों को कानूनी सहायता प्रदान करना ।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

**प्रश्न 1 वन संरक्षण नीति कब लागू की गई । इस नीति के प्रमुख उद्देश्य क्या थे?**

**उत्तर:**

- स्वतंत्रता के पश्चात भारत में पहली बार वन-नीति 1952 में लागू की गई थी।
- सन् 1988 में नई राष्ट्रीय वन नीति वनों के क्षेत्रफल में हो रही कमी को रोकने के लिए बनाई गई थी ।

इस नीति के प्रमुख उद्देश्य :

(1) देश के 33 प्रतिशत भाग पर वन लगाना |

(2) पर्यावरण संतुलन बनाए रखना तथा परिस्थितिक असंतुलित क्षेत्रों में वन लगाना ।

(3) देश की प्राकृतिक धरोहर, जैव-विविधता तथा आनुवांशिक मूल का संरक्षण ।

(4) मृदा अपरदन और मरुस्थलीकरण को रोकना तथा बाढ़ व सूखा को नियंत्रित करना ।

(5) निम्नीकृत भूमि पर सामाजिक वानिकी एवं वनरोपण द्वारा वन आवरण का विस्तार करना।

(6) वनों की उत्पादकता बढ़ाकर वनों पर निर्भर ग्रामीण जनजातियों को इमारती लकड़ी, ईधन, चारा और भोजन उपलब्ध करवाना और लकड़ी के स्थान पर अन्य वस्तुओं को प्रयोग में लाना ।

(7) पेड़ लगाने को बढ़ावा देने के लिए तथा पेड़ों की कटाई रोकने के लिए जन-आन्दोलन चलाना, जिसमें महिलाएं भी शामिल हों ताकि वनों पर दबाव कम हो ।

(8) वन और वन्य जीव संरक्षण में लोगों की भागीदारी ।

**प्रश्न 2 सामाजिक वानिकी से क्या तात्पर्य है । इसके प्रमुख उद्देश्य क्या हैं?**

**उत्तर:** सामाजिक वानिकी का अर्थ है पर्यावरणीय, सामाजिक व ग्रामीण विकास में मदद के उद्देश्य से वनों के प्रबंधन में समाज की भूमिका तय करना एवं ऊसर भूमि पर वन लगाना ।

**सामाजिक वानिकी :** सामाजिक वानिकी शब्दावली का प्रयोग सबसे पहले राष्ट्रीय कृषि आयोग ने (1976-79 ई0) में किया था । इसके मुख्य उद्देश्य निम्न थे

(1) जनसंख्या के लिए जलावन लकड़ी की उपलब्धता |

(2) छोटी इमारती लकड़ी । फलों का उत्पादन बढ़ाना ।

(3) छोटे-छोटे वन उत्पादों की आपूर्ति करना ।

इसके तीन अंग है :

**(1) शहरी वानिकी :** शहरों में निजी व सार्वजनिक भूमि जैसे –हरित पट्टी, पार्क, सड़को व रेलमार्गो व औद्योगिक व व्यापारिक स्थलों के साथ वृक्ष लगाना और उनका प्रबंधन करना ।

**(2) ग्रामीण वानिकी :** इसके अंतर्गत कृषि वानिकी और समुदाय कृषि वानिकी को बढ़ावा देना ।

**(3) फार्म वानिकी :** इसके अंतर्गत कृषि योग्य तथा बंजर भूमि पर पेड़ लगाना तथा फसलें उगाना जिससे खाद्यान्न, चारा, ईंधन व फल-सब्जियाँ मिल सकें ।

**प्रश्न 3 मानचित्र कार्य :**

भारत के रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित को दर्शाइए –

(1) मैंग्रोव वन

(2) नंदा देवी

(3) सुन्दर वन

(4) मन्नार की खाड़ी

(5) नीलगिरी

(6) भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग का मुख्यालय

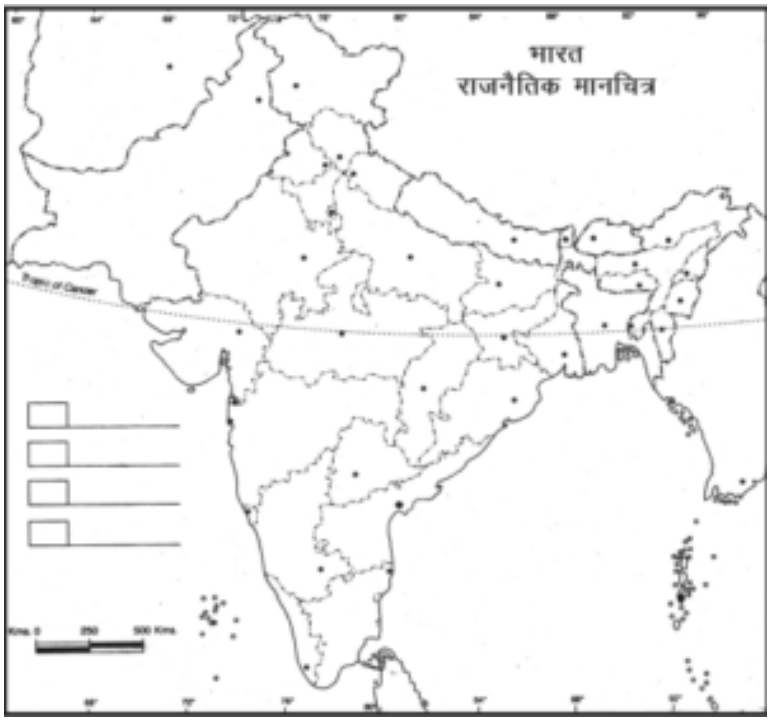


https://www.evidyarthi.in/